



हैदराबाद ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

कोहली और डुप्लेसिस ने दिलाई आरसीबी को तेज शुरुआत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल. टॉस हारने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने रोटेंट चैलेंजर्स बैंगलुरु के खिलाफ 287 रन बना दिये हैं, वे आईपीएल के इतिहास में किसी टीम द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर बन गया है। अब आरसीबी को जीत के लिए 288 रन बनाने होंगे।

एसआरएच की शुरुआत ही ताकड़ोड़ अंदर में हुई क्योंकि अधिक शर्मा और ट्रेविस हेड ने 8वें ओवर में ही टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचा दिया था।

आरसीबी के गेंदबाजों की जमकर कुटाई

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में आरसीबी के हर एक गेंदबाज की जमकर हुई हुई। लॉकी फर्जुसन ने 3प्पने वापसी मैच में 2 विकेट जरूर लिए, लॉकीन 4 ओवर में 52 रन लुटा। रीस टॉलीन ने भी एक विकेट दरकार, लैकिन उन्हें 4 ओवरों में 68 रन आए। वही विजय कुमार विष्णु और यश दयाल ने भी 3प्पने-3प्पने 4 ओवरों में 50 से अधिक रन लुटा दिए थे। आरसीबी का ऐसा कोई गेंदबाज नहीं रहा, जिसने 10 से कम इंकॉन्पी रेट से नह दिए हैं।

हैदराबाद की ओर से सबसे ज्यादा रन ट्रेविस हेड ने बनाए। उन्होंने मात्र 39 गेंद में शतक पूरा किया और अपनी 41 रन की पारी में

102 रन बनाए। हेड ने इस दौरान 9 चौके और 8 छक्के भी लागाए। हैदराबाद के लिए शतक पूरा किया जाना नहीं रहा, जिसमें 10 से कम रन आए हैं। हैदराबाद की पारी में शुरुआत में अधिक शर्मा को इंकॉन्पी रेट से नह दिया था।

मोहन बागान और मुंबई सिटी आमने-सामने

साल्ट लेक स्टेडियम में होगा मुकाबला



45 अंक हैं, यहां जो तो ने मैरिनस के 48 अंक हो जाएंगे और वे आइलैंडर्स को पछाड़कर लीग विनर बन जाएंगे।

मैरिनस की हार से आइलैंडर्स पांच अंकों के अंतर से लीग विनर शील्ड उठ जाएंगे।

आलोचना

मुंबई की हार के बाद हार्दिक पंड्या की कसानी पर उगाए सवाल

गावस्कर ने हार्दिक पंड्या की कसानी की आलोचना की

- 6 मैचों में 4 हार का करना पड़ा सामना
- प्लान वी लागू करने की दिखी कमी
- पोलाई ने हार्दिक का किया बयाव

मुंबई 15 अप्रैल (वार्ता) भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर सहित विशेषज्ञों ने मुंबई इंडियंस के कसानी हार्दिक पंड्या की कासानी और गेंदबाजी की कासानी और टीम की ओवर सकती थी, लैकिन उनकी करत हुए कहा कि उनकी



साधारण कसानी और गेंदबाजी की कासानी उनकी टीम को चौथी हार का सामना

करना पड़ा है।

पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने हार्दिक पंड्या की कसानी की कठोर शब्दों में आलोचना करते हुए कहा, उनकी कसानी और गेंदबाजी दोनों में साधारण रही। उन्होंने अंतिम ओवर में मेहन्दि सिंह धोनी की स्टॉट में कमज़र फूलटॉस और लेंथ गेंदों की, जिसके कारण गेंद बांड़ी पार छक्के के लिए गई। मुंबई की टीम आराम से चेर्चैंड 218-190 पर रोक सकती थी, लैकिन अंतिम ओवर प्रमुख अंतर साबित हुआ।

मैच के बाद संवाददाता सम्पेलन में मुंबई के बलेवाजी को वाराणसी पांच अंकों भी अपने कसाने के बाबत करते हैं। क्रिकेट एक टीम गेम है और इसमें किसी एक व्यक्ति के लिए एक सालाना लार्किंग नहीं है, मैं इन सबसे तीन आ युका हूं, वह व्यक्ति अगले छह सप्ताह में अपने देश की तरफ से खेलने जा रहा है। वह व्यक्ति भारत के सरकार बड़े ऑलराइंडर्स में से एक है। वह बलेवाजी, गेंदबाजी और फीलिंग्स सब करते हैं। वह एक से फैक्टर है और मझे पता है कि अगले कुछ मैं जूते हूं वह वापसी के साथ उनकी प्रशंसा करने लगेंगे। लैकिन यह कि मुंबई इंडियंस की वेब्रेक्सुपर किंस पर 20 रनों की बड़ी हार के बाद विशेषज्ञों ने हार्दिक पंड्या की कसानी पर सवाल उठाए हैं, वह छह मैंचों में मुंबई की चौथी हार है। इन मैच के दौरान हार्दिक ने वेब्रेक्सी की पारी का अंतिम ओवर लेकर आए और 26 रन लुटा दिए।

व्यापार

मार्च में थोक मुद्रा स्फीति बढ़कर 0.53 प्रतिशत हुई



चार्म उद्योग के उत्पादों और कुछ अन्य विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति का उत्तरवाद बढ़ा, मार्च में खाद्य वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

अन्य विनिर्मित वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 0.53 प्रतिशत हुई है।

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी

और अलू थोक बाजार में सालाना आधार पर 25.59 प्रतिशत नीचे बिक रहा था। मार्च में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रा स्फीति 4.51 प्रतिशत और अलू के वार्षिक खाद्य वस्तुओं के अलावा और अपर्याप्त वनस्पति से बने उत्पादों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान तथा

कीमतों में 37 प्रतिशत कम हुई थी